KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 4

विचारक, विश्वास और इमारतें
सांस्कृतिक विकास (600 ई.पू.-600 ई.)

भाग - 6

प्रीतेश जोशी

KOLORS® make life better

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

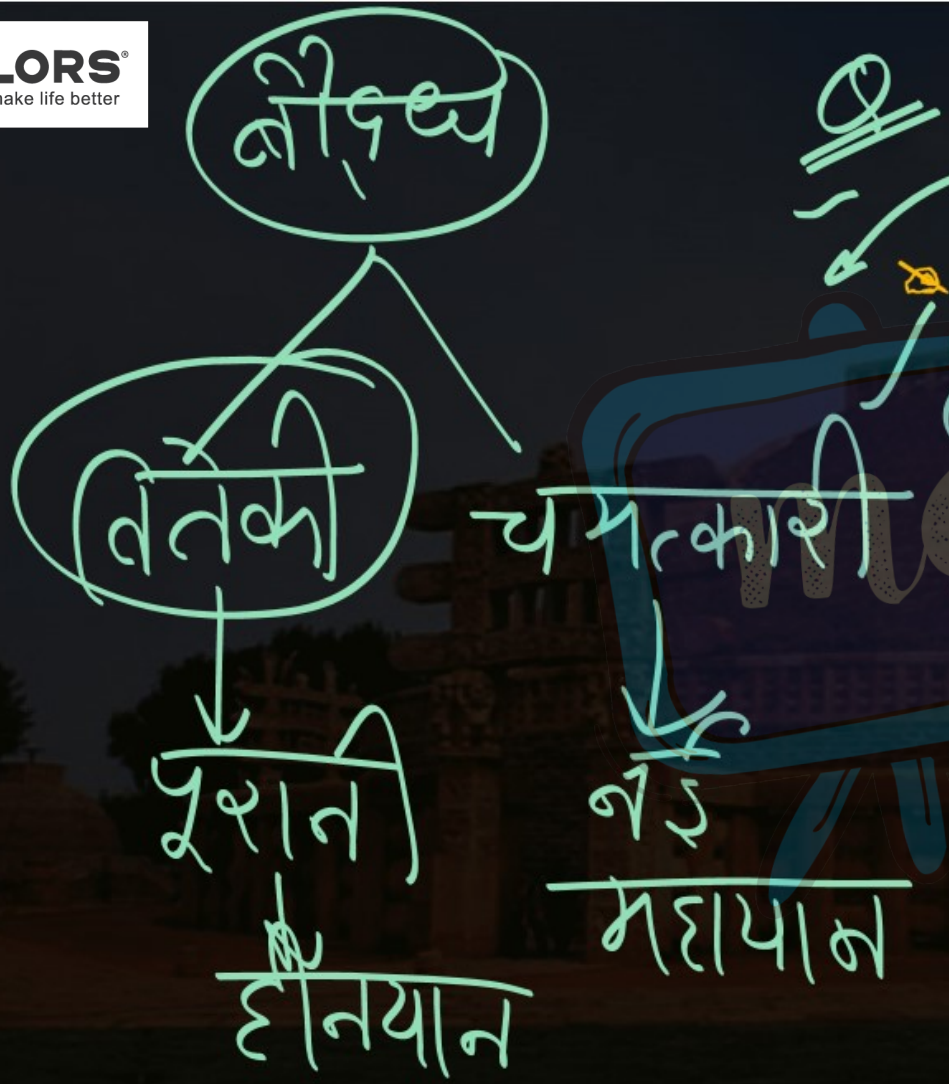

हीनयान या थेरवाद?

महायान के अनुयायी दूसरी बौद्ध परंपराओं के समर्थकों को हीनयान के अनुयायी कहते थे। लेकिन, पुरातन परंपरा के अनुयायी खुद को थेरवादी कहते थे। इसका मतलब है वे लोग जिन्होंने पुराने, प्रतिष्ठित शिक्षकों (जिन्हें थेर कहते थे) के बताए रास्ते पर चलने वाले।



पहली सदी की बुद्ध मूर्ति, मथुरा

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

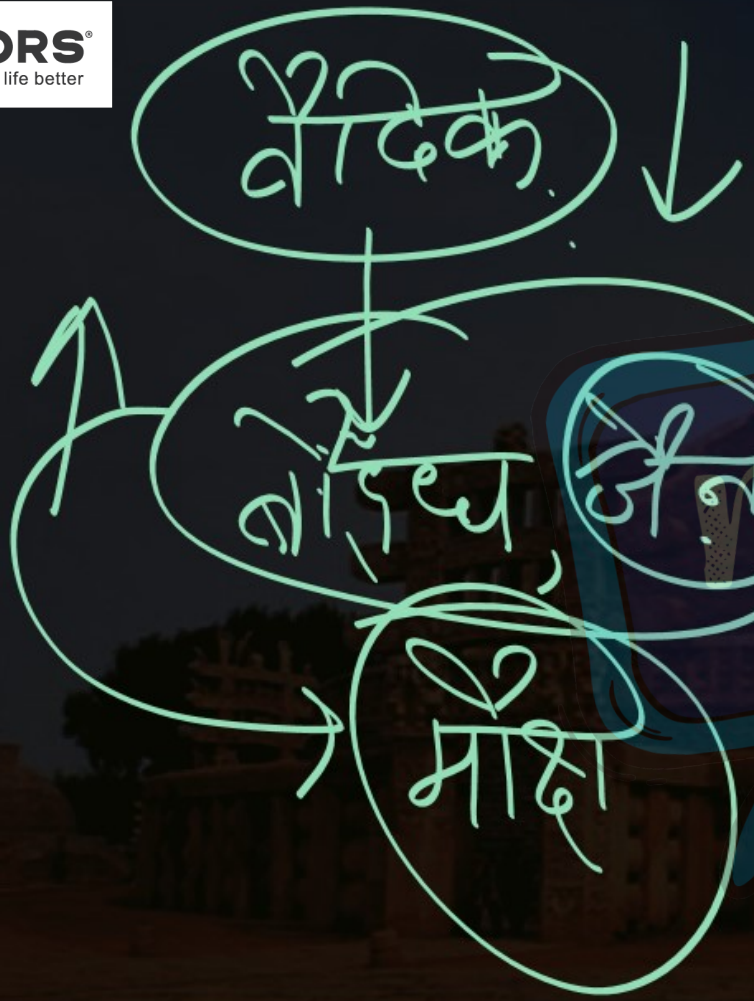

पौराणिक हिंदू धर्म का उदय

- मुक्तिदाता की कल्पना सिर्फ बौद्ध धर्म तक सीमित नहीं थी।
- इसी तरह के विश्वास एक अलग ढंग से उन परंपराओं में भी विकसित हो रहे थे जिन्हें आज हिंदू धर्म के नाम से जाना जाता है।
- इसमें
  (i) वैष्णव – वह परंपरा जिसमें विष्णु को सबसे महत्वपूर्ण देवता माना जाता है।
  (ii) शैव – वह संकल्पना जिसमें शिव परमेश्वर है भी शामिल थीं।
- इसके अंतर्गत एक विशेष देवता की पूजा को खास महत्त्व दिया जाता था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. पौराणिक (हिन्दू धर्म का) उदय किस प्रकार हुआ?

Q. हम वैष्णव और परंपरा से क्या आशय रखते हैं?

Q. इतिहासकार मूर्तियों से इतिहास का पुनर्लेखन किस प्रकार करते थे?

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इस प्रकार की आराधना में उपासना और ईश्वर के बीच का रिश्ता प्रेम और समर्पण का रिश्ता माना जाता था। इसे भक्ति कहते हैं।

भक्ति परंपरा

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

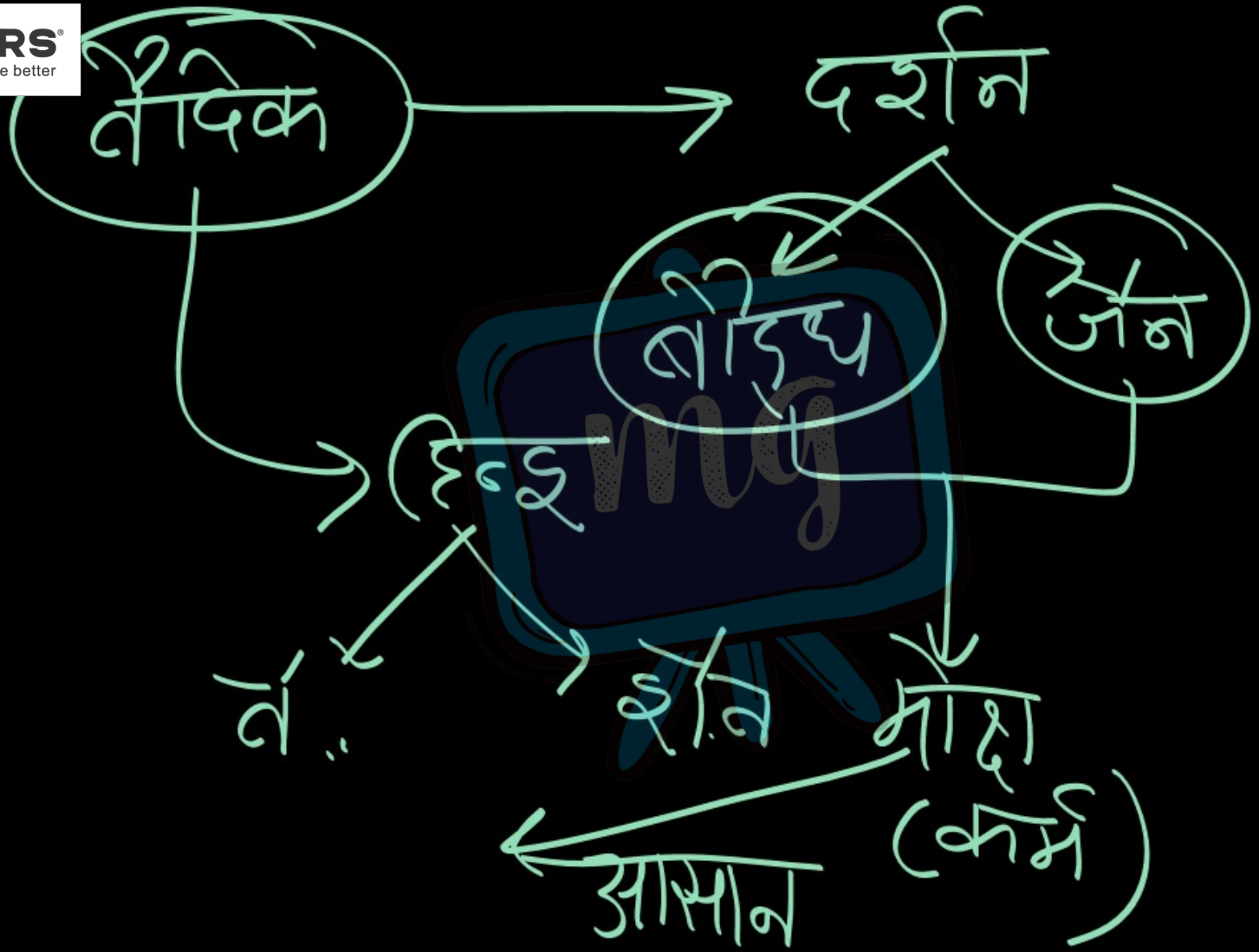

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



वैष्णववाद

- इसमें कई अवतारों के इर्द-गिर्द पूजा पद्धतियाँ विकसित हुईं।
- इस परंपरा के अंदर दस अवतारों की कल्पना है।
- यह माना जाता था कि पापियों के बढ़ते प्रभाव के चलते जब दुनिया में अव्यवस्था और नाश की स्थिति आ जाती थी तब विश्व की रक्षा के लिए भगवान अलग-अलग रूपों में अवतार लेते थे।
- संभवत: अलग-अलग अवतार देश के भिन्न-भिन्न हिस्सों में लोकप्रिय थे।
- इन सब स्थानीय देवताओं को विष्णु का रूप मान लेना एकीकृत धार्मिक परंपरा को दर्शाता था।
- कई अवतारों को मूर्तियों के रूप में दिखाया गया है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- दूसरे देवताओं की भी मूर्तियाँ बनीं। शिव को उनके प्रतीक लिंग के रूप में बनाया जाता था। लेकिन उन्हें कई बार उनका मनुष्य के रूप में भी दिखाया गया है।
- ये सारे चित्रण देवताओं से जुड़ी हुई मिश्रित अवधारणाओं पर आधारित थे।
- इन देवताओं की खूबियों और प्रतीकों को उनके शिरोवस्त्र, आभूषण, आयुधों (हाथ में धारण अस्त्र) और बैठने की शैली से इंगित किया जाता था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

इतिहास

वराह

कथा



विष्णु का वराह अवतार : जिसने उन्हें पृथ्वी देवी को बचाते हुए दिखाया गया है। (लगभग छठी सदी, एहोल, कर्नाटक)

KOLORS®
make life better

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

तैष्णव

↓

तिष्णु

अन्य देवता



महाबलीपुरम् : (तमिलनाडु) में दुर्गा की एक मूर्ति (छठी सदी)

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

तेव - 4

पुराण।

कथा।

मूर्तियों के अर्थ तथा पुराण :-

- इन मूर्तियों के अंकन का मतलब समझने के लिए इतिहासकारों को इनसे जुड़ी हुई कहानियों से परिचित होना पड़ता है।
- कई कहानियाँ प्रथम सहस्राब्दि के मध्य से ब्राह्मणों द्वारा रचित पुराणों में पायी जाती है जिनमें बहुत से ऐसे किस्से हैं जो सैकड़ो वर्ष पहले रचने के बाद सुने और सुनाये जाते रहे थे।
- इनमें देवी देवताओं की भी कहानियां हैं।
- इन्हें संस्कृत श्लोकों में लिखा गया था तथा इन्हें ऊंची आवाज में पढ़ा जाता था जिसे कोई भी सुन सकता था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

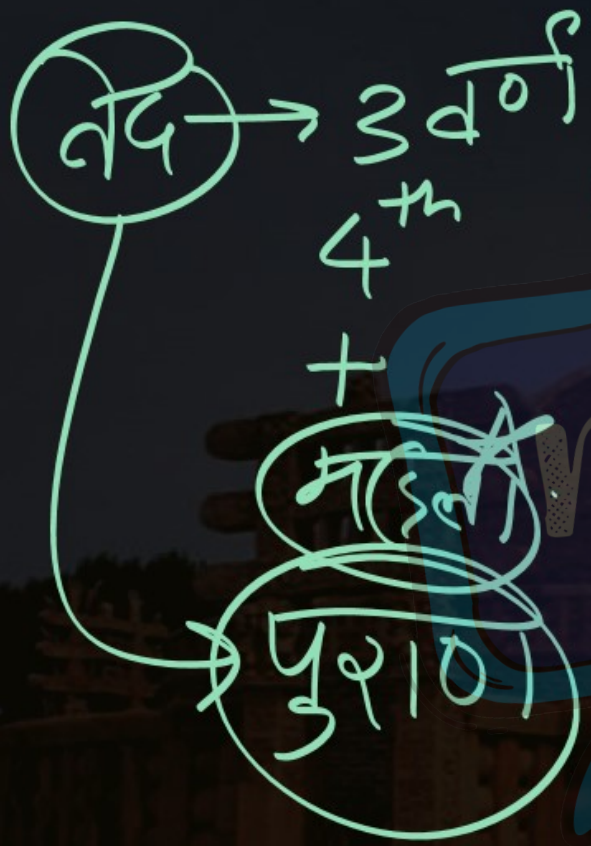

- महिलाएं और शूद्र जिन्हें वैदिक साहित्य पढ़ने-सुनने की अनुमति नहीं थी, पुराणों को सुन सकते थे।
- पुराणों की ज्यादातर कहानियां आपसी मेल-जोल से विकसित हुई।
- पुजारी, व्यापारी और सामान्य स्त्री-पुरूष एक जगह से दूसरी जगह आते जाते समय अपने विश्वासों और अवधारणाओं का आदान-प्रदान करते थे।
- उदाहरण के लिए हम जानते हैं कि - वासुदेव - कृष्ण मथुरा इलाके के महत्वपूर्ण देवता थे। कई शताब्दियों के दौरान उनकी पूजा देश के दूसरे इलाकों में भी फैल गई।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



मंदिरों का बनाया जाना

- जिस समय साँची जैसी जगहों में स्तूप अपने विकसित रूप में आ गये थे उसी समय देवी-देवताओं की मूर्तियों को रखने के लिए मंदिर बनाये गये।
- शुरू के मंदिर एक चौकोर कमरे की तरह थे जिन्हें गर्भगृह कहा जाता था।
- इनमें एक दरवाजा होता था जिससे उपासक मूर्ति की पूजा करने के लिए भीतर प्रविष्ट हो सकता था।
- धीरे-धीरे गर्भगृह के ऊपर एक ऊँचा ढाँचा बनाया जाने लगा जिसे शिखर कहा जाता था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

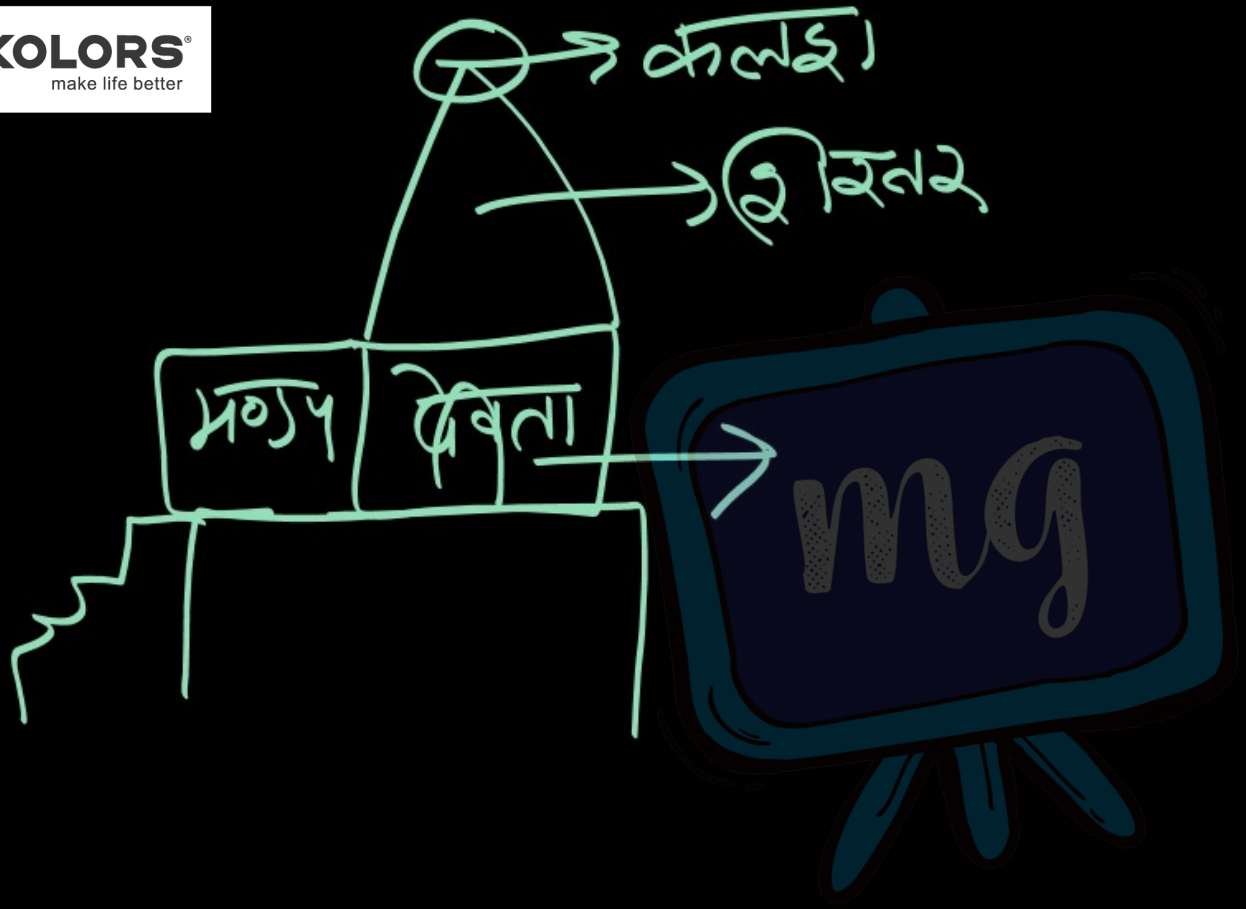

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- मंदिर की दीवारों पर अक्सर भित्ती -चित्र उत्कीर्ण किये जाते थे।



शेषनाग पर आराम करते विष्णु की मूर्ति,
देवगढ़ (उ.प्र.), पांचवी सदी

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



एक मंदिर, देवगढ़ (उत्तर प्रदेश), पाँचवी सदी

- बाद के युगों में मंदिर स्थापत्य का काफी विकास हुआ और मंदिरों के साथ विशाल सभास्थल, ऊँची दीवारें और तोरण भी जुड़ गए।
- जल आपूर्ति का इंतजाम भी किया जाने लगा।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- शुरू-शुरू के मंदिरों की एक खास बात यह थी कि इनमें से कुछ पहाड़ियों को काट कर खोखला करके कृत्रिम गुफाओं के रूप में बनाये गये थे।
- कृत्रिम गुफाएं बनाने की परम्परा काफी पुरानी थी।
- सबसे प्राचीन कृत्रिम गुफाऐं ईसा पूर्व तीसरी सदी में अशोक के आदेश से आजीविक सम्प्रदाय के संतो के लिए बनाई गई थीं ?



बराबर की गुफाऐं,
बिहार, 300 ई. पूर्व

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. मंदिर वास्तुकला पर एक लेख लिखें?

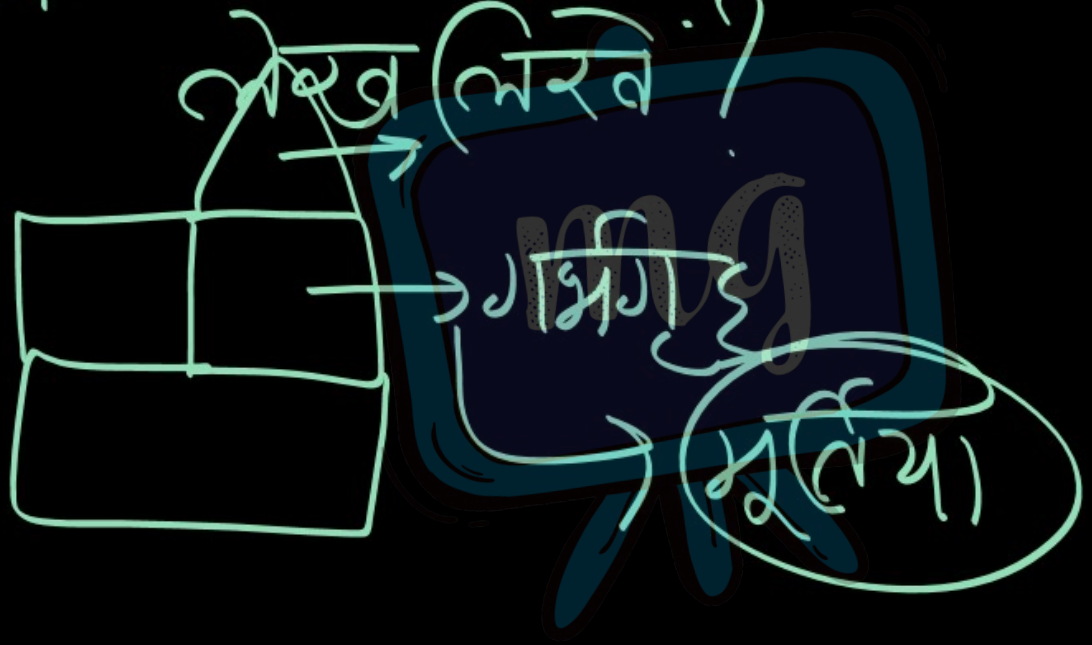

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पहाड़ी

कैलाशनाथ मंदिर

- मंदिर बनाने की परम्परा अलग-अलग चरणों में विकसित होती रही।
- इसका सबसे विकसित रूप आठवीं सदी के कैलाशनाथ (शिव का एक नाम) के मंदिर में नजर आता है जिसमें पूरी पहाड़ी काटकर उसे मंदिर का रूप दे दिया गया था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कैलाशनाथ मंदिर एलोरा (महाराष्ट्र) यह सारा ढांचा एक चट्टान को काटकर तैयार किया गया हैं

एक ताम्रपत्र अभिलेख जिसमें एलोरा के प्रमुख तक्षक जिसने इनका निर्माण समाप्त करने के बाद आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहता है –

''हे भगवान, यह मैने कैसे बनवाया?''

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



